poration do not suffer for want of wagons facilities. We request the Hon. Minister to issue orders for ensuring the allotment of sufficient quantity of foodgrains to the State and priority for transporting the same by rail.

(iv) REPORTED DISCONTENTMENT AMONG THE CENTRAL GOVERNMENT EMPLOYEES OF RANIKHET IN UTTAR PRADESH DUE TO NON-SANCTION OF HOUSE RENT ALLOWANCE TO THEM.

श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत (अल्मोड़ा) : रानीखेत, उत्तर प्रदेश जो कि एक पर्वतीय स्टेशन है, यहां कार्यरत केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों में हाउस रेंट एलाउंस न दिये जाने के कारण बहुत असंतोष और निराशा व्याप्त है। रानीखेत जैसी भोगोलिक परिस्थितियों वाले अन्य पर्वतीय स्टेशंस में कार्यरत कर्मचारियों को केन्द्र सरकार यह सुविधा दे रही है जब कि यहां नहीं दे रही है। तीसरे वेतन आयोग द्वारा इस स्टेशन को एच आर ए के लिए शामिल न किए जाने के कारण इस स्टेशन में कार्यरत कर्मचारी इस सुविधा से वंचित रह गए हैं। यह उचित नहीं है। अतः यह सरकार का कर्तव्य है कि वेतन आयोग की इस भूल को सुधारे तथा रानीखेत के केन्द्रीय कर्मचारियों को भी हाउसरेंट एलाउंस प्रदान करे।

मैं समझता हूं कि एच आर ए का वर्तमान रेट कम है, इसे बढ़ा कर 15 प्रतिशत किया जाना चाहिए।

उ० प्र० सरकार अपने कर्मचारियों को जो कि 8 पर्वतीय जिलों में कार्यरत हैं वेतन प्रलोभन के पर्वतीय विकास भत्ता देती है जब कि उन की स्थिति में ही कार्यरत केन्द्रीय कर्मचारियों को यह भत्ता नहीं दिया जाता। अतः उत्तर प्रदेश के 8 पर्वतीय जिलों में कार्यरत केन्द्रीय कर्मचारियों को भी दस प्रतिशत पर्वतीय विकास भत्ता दिया जाय।

मैं उपरोक्त बिन्दुओं पर तत्काल कार्यवाही हेतु माननीय वित्त मंत्री से आग्रह करता हूं।

(v) NEED TO OPEN KENDRIYA VIDALAYA IN GHAZIPUR, UTTAR PRADESH.

श्री जैनूल बशर (गाजीपुर) : सरकार की यह नीति है कि जहां भी केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी बड़ी संख्या में रहते हैं वहां केन्द्रीय विद्यालय खोला जाय जिस से कि कर्मचारियों के लड़के लड़कियां की शिक्षा सुचारु रूप से हो सके। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में केन्द्रीय सरकार का अफीम का एक बड़ा कारखाना है जहां बड़ी संख्या में कर्मचारी काम करते हैं। वहां पर केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की बहुत दिनों से मांग होती रही है परन्तु अभी तक सरकार ने इस मांग को नहीं माना है। इस से उन के लड़के लड़कियों की शिक्षा सुचारु रूप से नहीं हो पाती और स्थानान्तरण के समय शिक्षा में बाधा पड़ती है।

मेरा शिक्षा मंत्री से आग्रह हैं कि शीघ्रातिशीघ्र गाजीपुर में एक केन्द्रीय विद्यालय खोले जाने की व्यवस्था करें।

(vi) ACUTE SHORTAGE OF WATER AND FAMINE CONDITIONS EXISTING IN DISTRICTS OF PALAMAU, HAZARIBAGH AND GAYA IN BIHAR.

SHRI RANJIT SINGH (Chatra): There is acute hortage of water and famin conditions exist in the districts of Palamau and Hazaribagh and a portion of Gaya in Bihar.

The people in the districts of Palamau and Hazaribagh and a portion of Gaya in Bihar are facing acute shortage of water.

Earlier their 'Bhadai' crops were damaged due to heavy rain and now paddy plantation has suffered due to lack of rain and water. The area is now famine-stricken and a large-number of people in the villages face starvation. The plight of the cattle too is miserable.